



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4PD1990	ImageGroup:	I4PD1996
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	སྤྲལ་གྱུར་བཀའ་མ། (རྫོགས་ཆེན་སྤར་མ།) snga 'gyur bka' ma/ (rdzogs chen spar ma/)
Author:	གཞན་པན་མཐའ་ཡས་འོད་ཟེར gzhan phan mtha' yas 'od zer
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	rdzogs chen/
Publisher:	rdzogs chen shrl seng par khang /
Date:	[n.d.]
Volume:	3
Total Volumes:	9
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 150 West 17th St, New York City, NY 10011, US.

2

是



༡༠༠། དཔལ་པ་དག་ཉེ་རུ་ཀའི་སྒ་བརྒྱད་གསེས་པ་འདི་བས་ནི། ལྷོ་ན་པ་ཀུན་བཟང་དྲེ་ཤིམ་ས་དཔལ་ཆེ། དགའ་རབ་དྲེ་ཤིམ་ས་དཔལ་བ་ཤིས་གཉེན་
 དང། རི་ལ་དཔལ་བདེ་བ་ས་དཔལ་ཀུན་གསལ་དཔལ་། གསེས་པ་འདི་བས་སོ་མཆོག་གི་ཐུན་དེས་གྲུབ་སྒྲིལ། བལ་པོ་རྩེ་མཇེད་པ་རྒྱ་སྒྲིལ། བམ་མཁའ་འདི་སྒྲིལ་པོ་
 ཡི་ཤིས་གཉེན་རྩེ་དང། དཔལ་གྱི་ཡི་ཤིས་གཉེན་པས་ཆེན་ས་དཔལ་ཀུན་ལོ། གསེས་པ་མ་ ཡི་ཤིས་དཔལ་པོ་དཔལ་གྱི་གཉེན་པོ་རྩེ་དང། ལྷོ་ན་པ་ཀུན་པོ་ཆེས་སེད་
 རྩེ་དཔལ་། ཆེས་པོ་བསྐྱེད་པ་རྒྱ་པ་ཆེན་པོ་རྩེ་ལོ། གསེས་པ་མ་ བརྒྱ་རྒྱལ་མཆོག་པདྨ་ཤིས་པ་དཔལ་ཐུང་དང། རྩེ་ཐེ་ཆེས་མཆོག་ཆེས་ལྷན་ཞབས། གསལ་
 བདག་སོ་ལྷོ་ན་པ་ལ་འབྱུང་མཁའ་གཉེན་བཟང་ལོ། གསེས་པ་འདི་བས་མ་ རི་ཆེན་པོ་ཀུན་པོ་ཆེན་པོ་ཆེན་པོ་རྩེ་དང། དགའ་རབ་དྲེ་ཤིམ་ས་ལྷན་བཀྲ་ཤིས་ཞབས། ཡི་གས་

[illegible]

三

॥ ५० ॥

པཱཱཱཱ

༄༅། །དཔལ་དེ་རུ་ཀ་ཡ་དང་དག་པོ་སྒྲུབ་པ་ལ་པད་ཆེན་ཐོག་ལ་ཞེས་པུ་བ། སྒྲུབ་དེ་རུ་ཀ་ཡ་པུ་ག་པ་ཆ་ལ་པ། །མི་དཔོན་ལྟ་བུ་ལྟུང་པ་དག་པ་ལ་པ། །པུ་ར་མེད་
རྒྱུ་པ་ཞི་ལི་རྒྱུ་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །པུ་ར་མེད་རུ་ཀ་ཡ་པ། །པུ་ར་མེད་རུ་ཀ་ཡ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །
རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །
རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །
རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །
རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །རྒྱུ་པ་ལྟུང་པ་ལ་པ། །

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of Tibetan script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Amg 67 28

[illegible]

[illegible]

རྒྱུ་ལྷོ་མ་པས་ཤིན་ཏུ་གསལ་ཞིང་བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། འདྲི་མཛན་པ་གཟུང་པར་བཞུགས་པ་ཅིག་བརྒྱུད་པ་ཡིན་མྱི། གཞན་ཅུན། བསྐྱེད་ཅིང་བཤགས་པ་དང་བསྐྱེད་པ་སྤྱི་ལྷོ་མ་
 བྱས་ཀྱང་ཅུན་དོ། །གསུམ་པའི་སྤྱི་ཅོན་གྱིས། ཅོན་སྐུ་མཆོད་ཀྱིས། བརྒྱ་ལ་བསྐྱེད་པ། ཅིང་བསྐྱེད་པ། བོ་བོ་གསུམ་པས། སྤྱི་ལ་མཆོད་པ་བྱེད་པ་ལྟར་དང་ལྟར། །དང་པོ་ཅོན་སྐུ་མཆོད་པ་སྤྱི་
 ལས། དང་པོ་བཤགས་པ་ཤིན་ཏུ་གསལ་ཞིང་བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། དམ་ཆས་སྤྱི་ལ་བཞུགས་པ་ཤིན་ཏུ་གསལ་ཞིང་བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ།
 བྱས་པ་ཀ་ནས་རྒྱ་ལ་ཤིན་ཏུ་གསལ་ཞིང་བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ།
 ཅོན་སྐུ་མཆོད་པ་སྤྱི་ལ་བཞུགས་པ་ཤིན་ཏུ་གསལ་ཞིང་བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ།
 བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ། བརྒྱ་ལ་གཟི་བྱིན་དང་ལྷན་པར་བསམ་མོ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सत्यमेव जयते

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten Tibetan script)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100

100

100

100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ལྟོ།། གཡས་ཁིང་དབྱུག་འབྱུང་ཁིང་ནས། གཡམོ་བརྒྱུད་བའི་སྟབས་གྱིས་ཁིང་གི་སྟུང་ལ་རྟེན་པ་འཛིན་པ་གྱིས་དམ་ཆོག་གི་འཁོར་ལོ་གསལ་བཟུང་། སྤྱིར་གཞི་ས་བོན་ལས་
འོད་ཟེར་འབྱུང་པ་ས་ཆོས་ཁྱེད་ས་སྤྱི་བ་མེད་པ་འི་དང་ལས་སོགས་གྱིས་ཡི་ཤེས་པ་རྣམས་ཀྱིས་ན་དབའཆོད་། སྟུན་འཛེན་པ། བསྟུན་པ། བརྟན་པ། བྱུག་མ་ཆོད་བསྟུང་པ་སོགས་སྟུང་།
ཐབས་བཞིན་རྒྱས་བསྟུས་ཅིར་གསལ་པར་བྱས་པ། སྟུང་གསལ་ན་དབའཆོད་། སྤྱིས་དང་བཅས་དྲེད་རྟེན་ལ་འཛེན་པས། བྱུག་ས་བཅེར་ལྟན་པ་འཛིན་པ་ཆོད་པ་ཆོད་། ཁྱེད་རྣམས་ལ་ལོ་མ་ཆོད་
པ་དང་། ཁོམས་ཆོད་ཡོད་ས་སྟུག་རྒྱུད་པ་བཞི་ཕྱེད་། དཀྱིལ་འཁོར་བཟང་པོ་ས་འདི་ཡི་། ཁྱེད་ཕྱིས་སྟེན་པ་རམ་དྲེད་རྟེན་སོལ། ཁིས་ལ་ནག་སྟུང་རྟེན་ས་ལ་བ་བཟུང་པས། དཀྱིས་པ་ཆོད་པ་བོ་
རྟེན་སྟུག་ན་དབའཆོད་ཀྱི་དྲེད་རྟེན་པ་རམ་པ་མ་ལོ། ཁྱེད་པ་བོ། བྱུང་པ་སྟེན་གྱི་དང་ས་དང་མ་ཉམ་པ་མ་ལོ། ཡང་ན་གཉིས་སྟུང་སྟུང་། རྣམ་གྱིས་དང་། ལས་ཀྱི་བྱུང་པ་ལོ། ཁྱེད་པ་རྟེན་ས་ལ་
རམ་དྲེད་རྟེན་སོགས་ལས་བྱས་པ་མི་ནག་ཅིར་གསལ་པ་ཆོད་། ཁ་གྱིན་པ་སྟུང་། འཁྱུ་བྱུང་པ། མེད་ཀྱི་གྱི་བྱུང་པ་དང་། ར་བཟུང་པ་གྱི་མ་རྟེན་པ་ཆོད་ས་ཆོད་། ཡལ་ལ་ག་དང་། ལོ་མ་དང་།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

531

ཡལ་ཏིག་པ་རྒྱུ་མཁོན་སྤྲེའི་ཐང་བཟུང་། རྩལ་ཆོན་པ་དེ་ལྷ་ཐང་ཆོན་དང་ཕུང་ཚི་ཕུང་བདུ་ཕུང་པ་ལ་ཏིག་པ་དང་མཁུན་པ་ཏིག་པ་བཅས་ཀྱིས་། བློ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a letter or document. The text is written on a single line and is mostly illegible due to the quality of the scan. The script appears to be from the 18th or 19th century. There are several lines of text, with some words being more legible than others. The text is written in a dark ink on a light background.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to severe blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७

॥ अथ विष्णुः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

གཡོན་མེད་ཀྱི་ཏུང་པ་ལྔ་པ་ལྟེན་པའི་ལུས་པ་

ལུག་ཀྱང་རྒྱལ་མཚོ་གསལ་མཚམས་ཤིང་ནག་ཁྱུ་གསལ་ཤིང་མཁའ་མཚོ་ཤིང་ལྷུང་ནག་མཚོ་ཤིང་པུ།

इन्द्राय नमः ॥ इन्द्राय नमः ॥ इन्द्राय नमः ॥ इन्द्राय नमः ॥ इन्द्राय नमः ॥

འགྲོ་བུ་སྐད་ཀྱི་རྒྱལ་ཁབ་ཡང་མེད།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पठेत्सुहृदोऽपि योऽपि कस्यचिन्मया

मन्त्रोक्तं यथा विदुः श्रीगुरुदेवोक्तं यथा विदुः

॥ दिङ्मरसुष्टुपात्रुमिच्छन्ति कर्तुं दध्नुः दध्नुः दध्नुः ॥

५० अथ द्वादशविध विषयविवेचनम् ॥ ५१ ॥

ಹೆಸರಿನಿಂದ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ देवदा ॥ धुपठकप्योमोसददुसादरीदोकेमुदेरुगर्भे ॥

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

क्रियापदः प्रेरणाय प्रयुज्यते

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

1. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
2. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
3. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
4. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
5. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
6. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
7. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
8. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
9. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
10. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 देवदत्तपुत्रं कुरुक्षेत्रे
 पश्यन्निष्कामं तदा ॥
 वन्द्यं ध्यायेत् ॥ २ ॥
 अथ श्रीराधापादनम् ॥
 राधिकां प्रियाम् ॥
 चन्दनालङ्किताम् ॥
 मालाधारिणीम् ॥
 श्यामाङ्गलाङ्गिताम् ॥
 उग्रहस्तप्रभाम् ॥
 सार्वभौमसेविताम् ॥
 आरतिभिर्घृतैश्च ॥
 पूजयेद्भक्तचेतसा ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंगीतम् ॥
 कृष्णं हृदि ध्यायेत् ॥
 संगीतं श्रोतुं यत्नम् ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्णस्तोत्रम् ॥
 कृष्णं ब्रह्मविद्यायाः
 गुरुं नमस्कृत्य ॥
 शिरसा ध्यायेत् ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्णपूजा-
 विधिः ॥
 पूजयेत्कृष्णं ॥
 घृतैश्च फलैश्च ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्णदर्शन-
 विधिः ॥
 दृष्टुं कृष्णं योगिनः ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंकीर्तन-
 विधिः ॥
 संकीर्तयेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंस्थान-
 विधिः ॥
 स्थापयेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंज्ञा-
 विधिः ॥
 ज्ञापयेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ १० ॥
 अथ श्रीकृष्णसंख्या-
 विधिः ॥
 ख्यायेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ ११ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंस्था-
 विधिः ॥
 स्थापयेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ १२ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंज्ञा-
 विधिः ॥
 ज्ञापयेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ १३ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंख्या-
 विधिः ॥
 ख्यायेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ १४ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंस्था-
 विधिः ॥
 स्थापयेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ १५ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंज्ञा-
 विधिः ॥
 ज्ञापयेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ १६ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंख्या-
 विधिः ॥
 ख्यायेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ १७ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंस्था-
 विधिः ॥
 स्थापयेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ १८ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंज्ञा-
 विधिः ॥
 ज्ञापयेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ १९ ॥
 अथ श्रीकृष्णसंख्या-
 विधिः ॥
 ख्यायेत्कृष्णं ॥
 तदा मुक्तिरश्रया ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

১০৫৫

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to the quality of the scan. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a single paragraph of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

7-10-1964

[illegible]

[illegible]

[illegible]

|| ༢ || རྟོག་ལུགས་ཀྱི་ཐུང་མ་ལྟེན་བརྒྱུད་པ་དེ་ལས་བཟུགས་པ་རེད།

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

३२ निश्चिन्त्यैव त्वनामस्यैव त्वज्जातस्यैव त्वमात्मनोऽवस्थितस्यैव त्वरहितस्यैव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७०५३५५

[illegible]

[illegible]

五

අනුරාධපුරය

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

상

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

८१

10

ཕྱིན་པ་འཕྲུལ་གྱི་དངུང་གཤམ་པ་ལྟེ་དང་།

॥ अथ अष्टादशोऽध्यायः ॥

ब्रह्मसूत्रम्

॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥

五

॥ ३५ ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पञ्चरत्नपञ्चरत्नद्वयम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

153

—

५००

५४३५५५४

दक्षिण

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

五

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विष्णुसहस्रनाम

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཡག་མོ་ཚུལ་དང་སྒྲིབ་པ་བྱེད་ཀྱིས་ཁྱེད་རྩེ་ཕུང་དང་།

ཡུལ་སྐོར་གྱི་ཁྲི་བཞུག་པའི་མཆོད་ཀླུ་ལྟེན་ཅིང་།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

— — — — —

[illegible]

35435N955

विष्णुसूक्तं यथा यथा

[illegible]

कुवठवर्ष १७२१

वेदमार्गः

574

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

74

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and significant noise in the scan.)

[illegible]

५०७३

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

15



3

2010/07/01

[illegible]

[illegible]

[illegible]

11-12-13

[illegible]

143
[Text in Tibetan script, likely a manuscript page. The text is written in a cursive style and includes several lines of script. The page number 143 is visible in the top left corner.]

[illegible]

7 MAY 1973

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वृत्तान्तः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१२५

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

८७ अथर्ववेद

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is densely packed and appears to be a continuous passage, possibly a chapter or a section of a larger work. The script is highly stylized and characteristic of older Indian manuscripts. The text is written in black ink on a light-colored background. The page is framed by a simple border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The first line starts with a small symbol that looks like a '3' or a similar character. The text continues across the page with various characters and symbols, including some that might be specific to the language or dialect. The overall appearance is that of a well-preserved but aged document.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १० ॥
 श्रीमन्महाभक्त्यो नमः ॥ ११ ॥
 श्रीमन्महाभक्त्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीमन्महाभक्त्यो नमः ॥ १३ ॥
 श्रीमन्महाभक्त्यो नमः ॥ १४ ॥
 श्रीमन्महाभक्त्यो नमः ॥ १५ ॥
 श्रीमन्महाभक्त्यो नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमन्महाभक्त्यो नमः ॥ १७ ॥
 श्रीमन्महाभक्त्यो नमः ॥ १८ ॥
 श्रीमन्महाभक्त्यो नमः ॥ १९ ॥
 श्रीमन्महाभक्त्यो नमः ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुप्रसन्न

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्री गणेशाय नमः

9991

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

མེད་པ་དེ་རྒྱ་ནག་རྒྱལ་ཁོངས་ཀྱི་

[illegible]

१२२२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

श्री अण्णस्य १२२

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

(Faint handwritten text in Tibetan script)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

75735-24E

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

STATION

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

1281

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

གཤམ་གསུམ་གསུམ་གསུམ་ | གཅིག་དང་འདྲ་བའི་མཆོད་སྒྲུབ་པའི། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་།
ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་།
བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་།
ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་།
གསུམ་གསུམ་གསུམ་གསུམ་ | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་།
ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་། | བདག་གི་ཆེན་མོ་འཛུགས་པ་དང་།

[illegible]

॥ अथैवमिति वक्तुं शक्यं ॥ अथैवमिति वक्तुं शक्यं ॥ अथैवमिति वक्तुं शक्यं ॥ अथैवमिति वक्तुं शक्यं ॥ अथैवमिति वक्तुं शक्यं ॥

[illegible]

[illegible]

573

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script)

[illegible]

५८। ५९। ६०। ६१। ६२। ६३। ६४। ६५। ६६। ६७। ६८। ६९। ७०। ७१। ७२। ७३। ७४। ७५। ७६। ७७। ७८। ७९। ८०। ८१। ८२। ८३। ८४। ८५। ८६। ८७। ८८। ८९। ९०। ९१। ९२। ९३। ९४। ९५। ९६। ९७। ९८। ९९। १००।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blur and noise. It appears to be a single line of handwritten script.]

[illegible]

॥ १॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

७। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १० ॥

འཁོར་ལ། །བདག་ནི་འདི་གས་བཅི་ཡང་མ་མཆིས་ཏེ། །མའི་གཞི་ལྟོ་རྒྱ་མ་སྤྱོད་པའི་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱིམ་ཐུང་ཐུག་གི་བར་དུ་གནས་པར་སྟོ། །གཞན་དོན་ལ་མོར་བརྒྱ་མ་སྟུ།
ཡོད་པར། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་མཆིས་པར་བདག་གིས་སྟུད། །འགྲོ་བུ་གསེས་མ་སྤྱོད་པའི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །རང་དབང་དུ་བྱེད་པའི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །བདག་ནི་
ཡོད་པའི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །གང་དང་གང་དུ་སྟུག་པའི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །བསྟོན་པ་
ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ།
ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ།
ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ།
ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ། །ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ་ལྟོ་དཔལ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

606 m. l. b.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 दशरथ उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
 मामका पाण्डवाश्चैतानि शङ्कमानां ॥ त्वं ह्यर्जुन बभूवुषः
 पश्यैषीषस्व पाण्डवस्य चापावलीम् ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 युद्धमासीत् ॥ अथैतानि वक्त्वानुब्रवीत् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

4/10/2016

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in a South Asian script, likely Sanskrit or Pali, arranged in horizontal lines. The text is enclosed within a rectangular border. The script is highly stylized and appears to be a form of Devanagari or similar South Asian script. The text is written in black ink on a light-colored background. The lines of text are closely spaced and run horizontally across the page. The text is likely a religious or philosophical passage, given the nature of the script and the context of the image.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

མ་རྒྱུད་གསལ་བྱེད། མཐོང་པོ་ཆེན་པོ། མཐོང་པོ་ཆེན་པོ། མཐོང་པོ་ཆེན་པོ། མཐོང་པོ་ཆེན་པོ། མཐོང་པོ་ཆེན་པོ།
བཅའ་ཤིང་ཕུག་པུ་ཡུལ་ལ་། བཅའ་ཤིང་ཕུག་པུ་ཡུལ་ལ་། མཐོང་པོ་ཆེན་པོ། མཐོང་པོ་ཆེན་པོ། མཐོང་པོ་ཆེན་པོ།
ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ།
ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ།
ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ། ཐུག་པོ་ཆེན་པོ།

77

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

༦། །ཕྱེད་པོ་ལྷན་སྐྱེད་ཀྱི་ལམ་ཁོ་རྩོམ་གྱི་ལམ་སྟེ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[illegible]

[illegible]

समस्तस्य

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

△△△△△

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following section contains several lines of handwritten Tibetan script.]

[illegible]

10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 युद्धमासीत् ॥ द्रुपद उवाच ॥
 १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः पांडवश्च दुर्जनस्य विराटः ॥
 २ ॥ तदा द्रुपद उवाच ॥ सौमेधिवान्
 पश्यैषि पांडव आचार्यमुनिश्रेष्ठ ॥
 ३ ॥ पांडवस्य वीर्यं शूराणां प्रह्वया
 यत्तु किमस्ति बलं दुर्योधनस्य वै ॥
 ४ ॥ अथ द्रुपद उवाच ॥ पांडवस्य
 वीर्यं शूराणां प्रह्वया यत्तु किमस्ति ॥
 ५ ॥ अथ द्रुपद उवाच ॥ पांडवस्य
 वीर्यं शूराणां प्रह्वया यत्तु किमस्ति ॥
 ६ ॥ अथ द्रुपद उवाच ॥ पांडवस्य
 वीर्यं शूराणां प्रह्वया यत्तु किमस्ति ॥
 ७ ॥ अथ द्रुपद उवाच ॥ पांडवस्य
 वीर्यं शूराणां प्रह्वया यत्तु किमस्ति ॥
 ८ ॥ अथ द्रुपद उवाच ॥ पांडवस्य
 वीर्यं शूराणां प्रह्वया यत्तु किमस्ति ॥
 ९ ॥ अथ द्रुपद उवाच ॥ पांडवस्य
 वीर्यं शूराणां प्रह्वया यत्तु किमस्ति ॥
 १० ॥ अथ द्रुपद उवाच ॥ पांडवस्य
 वीर्यं शूराणां प्रह्वया यत्तु किमस्ति ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



11-25-54

(Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side)

